संख्या 2611/III(1)/04-529(पीडब्लूडी)/01 टीसी-2

प्रेषक,

टी0 के0 पन्त,
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवामें,

प्रभारी मुख्य अभियन्ता स्तर-1
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून ।

लोक निर्माण अनुभाग-1 देहरादून दिनांक 26 नवम्बर,2004

विषय- **केन्द्रीय सड़क निधि के अन्तर्गत स्वीकृत योजनाओं हेतु वित्तीय वर्ष 2004-05 में धनराशि के व्यय की स्वीकृति ।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2746/04 बजट(के0स0नि0)/04-05 दिनांक 03-11-2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय सड़क निधि के अन्तर्गत स्वीकृत निम्नलिखित कार्यों के रू0 1166.73 लाख के आगणनों के टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त उनके नाम के सम्मुख कालम-4 में इंगित विवरणानुसार संस्तुत रू0 1143.21 लाख की धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये इसके विपरीत कालम-5 में उल्लिखित विवरणानुसार कुल रू0 4.00 लाख (रू0 चार लाख मात्र) की धनराशि के वर्तमान वित्तीय वर्ष में व्यय की भी श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	आगणन की लागत	टी0ए0सी0 द्वारा अनुमोदित धनराशि	2004-05 में धनावंटन
1	2	3	4	5
1	रानीखेत अल्मोड़ा मार्ग (रानीखेत की ओर से) मुक्खाली तक का सुधार	308.00	299.00	1.00
2	बांसवाड़ा-कानरिल-मोहन खाल मार्ग का सुधार	278.58	273.15	1.00
3	चम्बा-जौलकुरियालगांव जाखारगांव मोटर मार्ग लम्बाई 4.50किमी0 का सुधार	112.15	109.98	1.00
4	अल्मोड़ा-बैजनाथ ग्वालदम मार्ग का सुधार	468.00	461.08	1.00
	योग	1166.73	1143.21	4.00

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि के विपरीत प्रतिपूर्ति हेतु भारत सरकार को धनराशि का उपयोग कर तत्काल उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रेषित कर प्रतिपूर्ति सुनिश्चित की जायेगी ।

2. उपरोक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल संलग्न सूची में उल्लिखित योजनाओं/मार्गों के निर्माण/पुनर्निर्माण कार्यों हेतु ही किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार करके निर्धारित समयान्तर्गत वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण तथा

उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन/भारत सरकार को उपलब्ध कराया जायेगा,यदि पूर्व धनराशि के उपयोग के दो माह के भीतर उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार को भेजना सुनिश्चित नहीं करने के कारण भारत सरकार से प्रतिपूर्ति में विलम्ब होता है तो इसका समस्त दायित्व सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता का ही माना जायेगा ।

3. उक्त धनराशि का व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल,वित्तीय हस्तपुस्तिका,स्टोर पर्चेज रूल्स,टेण्डर विषयक नियम एवं अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा,तथा व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा ।

4. उक्त कार्य करते समय भारत सरकार द्वारा निर्गत दिशा निर्देशों का अनुपालन भी किया जायेगा । कार्य निर्धारित समय में ही किया जायेगा,और विलम्ब के कारण लागत में वृद्धि के लिये सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता उत्तरदायी होंगे ।

5. जिन मामलों में कार्य करने से पूर्व किसी तकनीकी अधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो,उनमें तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त ही धनराशि का आहरण किया जायेगा ।

6. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे ।

7. स्वीकृत की जा रही धनराशि को दिनांक 31-3-2005 तक पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करके इसका एवं इस योजना के अन्तर्गत समस्त पूर्व स्वीकृत धनराशि का इसके पूर्ण उपयोग के एक माह के अन्दर उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार को प्रेषित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा ।

8. स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग कर इसकी वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये जाने के बाद ही आगामी किश्त अवमुक्त की जायेगी।

9. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2004-05 के लेखानुदान संख्या-22 के लेखाशीर्षक-5054 सड़कों तथा सेतुओं पर पूंजीगत परिव्यय-04 जिला तथा अन्य सड़कें-आयोजनागत-800 अन्य व्यय-03 राज्य सैक्टर-04 केन्द्रीय सड़क निधि से किया गया कार्य -00-24 वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।

10. यह आदेश वित्त विभाग के अशा०संख्या 1890(1)/वित्त अनुभाग-3/04 दिनांक 29-11-2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है ।

भवदीय,

(डी०के० पन्त)
संयुक्त सचिव।

संख्या 2617(1)/ II (1)/04तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. महालेखाकार(लेखा प्रथम)उत्तरांचल इलाहाबाद/देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊं मण्डल,पौड़ी/नैनीताल ।
3. सम्बन्धित जिलाधिकारी/कोषाधिकारी,उत्तरांचल।
4. अपर सचिव,वित्त बजट अनुभाग,उत्तरांचल शासन ।
5. सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता/अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग,उत्तरांचल ।
6. वित्त अनुभाग-3/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ उत्तरांचल शासन ।
7. लोक निर्माण अनुभाग-2,उत्तरांचल शासन ।
8. गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

(डी०के०पन्त)
संयुक्त सचिव।